• शिवरात्रि पर...

जरूर करें ये काम

महाशिवरात्रि का त्योहार हिंदू धर्म में शिवजी की उपासना का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से जो भक्त शिवजी की पूजा करते हैं, उनसे शिवजी प्रसन्न होकर उनकी हर इच्छा पूर्ण करते हैं। भगवान शिव बहुत भोले हैं, यदि कोई भक्त सच्ची श्रद्धा से उन्हें सिर्फ एक लोटा जल भी अर्पित कर दे तो भी वह प्रसन्न हो जाते हैं।

- महाशिवरात्रि पर रात में किसी शिव मंदिर में दीपक जलाएं। शिव पुराण के अनुसार कुबेरदेव ने पूर्व जन्म में रात के समय शिवलिंग के पास रोशनी की थी इसी वजह से अगले जन्म में वे देवताओं के कोषाध्यक्ष बने। इसी प्रकार से अगर आप भी शिवलिंग के पास दीया जलाएंगे तो आपको भी धन की प्राप्ति होगी।
- महाशिवरात्रि पर छोटा सा पारद (पारा) शिवलिंग लेकर आएं और घर के मंदिर में इसे स्थापित करें। शिवरात्रि से शुरू करके रोज इसकी पूजा करें। इस उपाय से घर की दरिद्रता दूर होती है और लक्ष्मी कृपा बनी रहती है। इस उपाय से आपके घर में सुख समृद्धि और खुशहाली भी बढ़ती है।
- यदि आप चाहें तो शिवरात्रि पर स्फटिक के शिवलिंग की पूजा कर सकते हैं। घर के मंदिर में जल, दूध, दही, घी, शहद, और शक्कर से इस शिवलिंग को स्नान कराएं। ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप कम से कम 108 बार करें। इस उपाय को करने से आपको नौकरी या व्यापार में आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलती है।
- हनुमानजी भगवान शिव के ही अंशावतार माने गए हैं। शिवरात्रि पर हनुमान चालीसा का पाठ करने से हनुमानजी और शिवजी प्रसन्न होते हैं। इनकी कृपा से भक्त की सभी परेशानियां दूर हो सकती हैं।
- किसी सुहागिन को सुहाग का सामान उपहार में दें। जो लोग यह उपाय करते है, उनके वैवाहिक जीवन की समस्याएं दूर हो सकती हैं। सुहाग का सामान जैसे - लाल साड़ी, लाल चूड़ियां, कुम-कुम आदि दें। ऐसा करने से आपके पति की आयु लंबी होती है और आपके दांपत्य संबंधों में मधुरता बनी रहती है।
- महाशिवरात्रि पर किसी जरूरतमंद व्यक्ति को अनाज और धन का दान करें। शास्त्रों में बताया गया है कि गरीबों को दान करने से पुराने सभी पापों का नाश है और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। आप चाहें तो इस दिन किसी शिवमंदिर में जाकर शर्करा का दान भी कर सकते हैं।
- जो लोग शिवरात्रि पर किसी बेल वृक्ष के नीचे खड़े होकर खीर और घी का दान करते हैं, उन्हें महालक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्ति होती है।

• भगवान शिव...

बदलेगी इन राशि वालों की किस्मत

महाशिवरात्रि हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस वर्ष महाशिवरात्रि 26 फरवरी 2025 को धूमधाम से मनाई जाएगी। खास बात यह है कि इस बार महाशिवरात्रि पर कई दुर्लभ और शुभ संयोग बन रहे हैं, जो इसे और भी विशेष बना देंगे। ज्योतिष के अनुसार, इन संयोगों का प्रभाव कुछ विशेष राशियों पर अत्यंत शुभ रहेगा, जिससे उनके जीवन में सुख और समृद्धि के नए द्वार खुल सकते हैं। आइए जानते हैं कौन सी हैं वो राशियां।

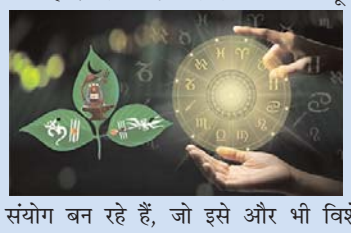

महाशिवरात्रि पर बनने वाले दुर्लभ संयोग-इस बार महाशिवरात्रि पर कई दुर्लभयोग का निर्माण हो रहा है। महाशिवरात्रि के दिन सूर्य, चंद्रमा और शनि का विशेष त्रिग्रही योग बन रहा है। यह योग सफलता और समृद्धि का प्रतीक है। महाशिवरात्रि के दिन शिव योग और सिद्ध योग का संयोग बन रहा है। इन योगों में की गई पूजा-अर्चना से मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होती हैं। इसके अलावा महाशिवरात्रि के दिन अमृत सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग में किए गए कार्य और व्रत का फल कई गुना अधिक मिलता है।

मेष राशि के जातकों के लिए महाशिवरात्रि खुशियों की सौगात लेकर आ रही है। महाशिवरात्रि से जातकों की पदोन्नति तो होगी साथ ही वेतन वृद्धि की संभावना भी नजर आ रही है। मेष राशि के जातक जिन कार्य को करने की योजना बनाएंगे उन्हें उसमें सफलता मिलेगी। व्यवसाय को लेकर बनाई जा रही योजना भी सुचारू रूप से चला पाएंगे। नए अवसर आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेंगे। आपके परिश्रम का फल आपको अवश्य मिलेगा। आपको आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

मिथुन राशि वालों के लिए महाशिवरात्रि का त्योहार शुभ फल लेकर आएगा। मिथुन राशि के जो जातक नया कार्य शुरू करने की योजना बना रहे हैं उनको कोई अच्छी डील मिल सकती है। व्यापार में आपकी योजना आपको लंबे समय तक अच्छा परिणाम प्रदान करेगी। शिव और शनि की कृपा से महाशिवरात्रि पर आर्थिक रूप से लाभ प्राप्त होगा।

सिंह राशि के जातकों पर भगवान भोलेनाथ महाशिवरात्रि पर अपनी कृपा बरसाएंगे। महाशिवरात्रि पर बन रहे दुर्लभ संयोग आपकी तरक्की की राह को और आसान बनाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान सैलरी में भी वृद्धि होने की संभावना है। शिवरात्रि के दौरान आप वाहन, संपत्ति आदि की खरीदारी का सकते हैं। इस दौरान धन की आवक बढ़ने की संभावना है। वैवाहिक जीवन में लंबे समय से जो मनमुटाव चल रहा था वो भी दूर होगा।

मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए इस तिथि पर उनकी उपासना करने से साधक के वैवाहिक जीवन में खुशियों का वास होता है। यह पर्व कन्याओं के लिए और भी खास होता है।

कहते हैं कि यदि सच्चे प्रेम भाव से महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ को जल चढ़ाया जाए तो मनचाहा वर पाने की कामना पूर्ण होती हैं...

इस विधि से करें शिव परिवार की पूजा

वैसे तो रोजाना घरों में शिव-परिवार की पूजा की जाती हैं, लेकिन विशेष कृपा प्राप्ति के लिए महाशिवरात्रि का दिन बेहद शुभ है। मान्यता है कि महाशिवरात्रि के दिन ही भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था, इसलिए इस तिथि पर उनकी उपासना करने से साधक के वैवाहिक जीवन में खुशियों का वास होता है। यह पर्व कन्याओं के लिए और भी खास होता है। कहते हैं कि यदि सच्चे प्रेम भाव से महाशिवरात्रि पर भोलेनाथ को जल चढ़ाया जाए तो मनचाहा वर पाने की कामना पूर्ण होती हैं।

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिवरात्रि मनाई जाती है, इस साल 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि है। ज्योतिषियों के मुताबिक इस साल महाशिवरात्रि पर श्रवण नक्षत्र बन रहा है, जो शाम 5 बजकर 08 मिनट तक रहेगा, इस दौरान परिध योग का संयोग भी रहेगा।

महाशिवरात्रि पूजा मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त- 26 फरवरी को प्रातःकाल में 05:17 से लेकर 06:05 मिनट तक

रात्रि प्रथम प्रहर पूजा समय - शाम 06:29 से रात 09 बजकर 34 मिनट तक

रात्रि द्वितीय प्रहर पूजा समय - रात 09:34 से 27 फरवरी सुबह 12 बजकर 39 मिनट तक

रात्रि तृतीय प्रहर पूजा समय - 27 फरवरी को रात 12:39 से सुबह 03 बजकर 45 मिनट तक

रात्रि चतुर्थ प्रहर पूजा समय - 27 फरवरी को सुबह 03:45 से 06 बजकर 50 मिनट तक

महाशिवरात्रि की पूजा करने के लिए सबसे पहले स्नान कर लें, इसके बाद साफ वस्त्रों को धारण करें।

पूजा विधि-महाशिवरात्रि की पूजा करने के लिए सबसे पहले स्नान कर लें, इसके बाद साफ वस्त्रों को धारण करें। फिर घर में गंगाजल का छिड़काव करते हुए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। अब सबसे पहले दूध, दही और घी में शहद मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें। इसके बाद महादेव को चंदन, मोली, पान, सुपारी, अक्षत पंचामृत, बिल्वपत्र, धतूरा, नारियल सब चीजें अर्पित करते जाएं, साथ ही महादेव को बेर चढ़ाएं। मान्यता है कि इससे घर में सुख-समृद्धि आती है और आर्थिक तंगी दूर होती हैं।

अब माता पार्वती को फूल माला अर्पित करें और शिव जी को भी फूल चढ़ाएं। फिर देसी घी का दीपक जलाकर महादेव के मंत्रों का जाप करें। इसके बाद शिव चालीसा का पाठ करें। अंत में आरती करते हुए पूजा में हुई भूल की क्षमा मांगे। फिर प्रसाद का वितरण कर दें।

शास्त्रों की मानें तो इस दिन देवी पार्वती और महादेव का विवाह हुआ था, इसलिए इस तिथि पर उनकी जोड़ी का पूजन करने पर साधक का वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है। ऐसे में अगर आप भी महाशिवरात्रि पर व्रत रख रहे हैं तो उससे पहले व्रत के कुछ नियमों को अवश्य जान लें-

- अगर आप महाशिवरात्रि का व्रत रख रहे हैं, तो इस दिन दोपहर में सोने से बचें।
- महाशिवरात्रि के दिन भूलकर भी शिवलिंग पर चढ़ा भोग ग्रहण न करें।
- यदि महाशिवरात्रि पर उपवास किया है तो अन्न का सेवन न करें। आप फलाहार खा सकते है।
- महाशिवरात्रि में कुछ भक्त निर्जला उपवास रखते हैं, ऐसे में आप पूरा दिन जल की एक बूंद भी ग्रहण न करें।
- महाशिवरात्रि के दिन शिव जी का जलाभिषेक जरूर करें। इससे व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है।
- महाशिवरात्रि पर पूरा दिन भगवान शिव का ध्यान करें। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होती है।
- महाशिवरात्रि के व्रत में साबुत अनाज और सफेद नमक का उपयोग न करें।
- इस दिन घर में भूलकर भी मांस मदिरा न लाएं।
- महाशिवरात्रि के व्रत में आप साबूदाना खिचड़ी, सिंघाड़े का हलवा, कुट्टू का सेवन करें।
- इस दिन मन को शांत रखें और किसी से भी लड़ाई झगड़ा न करें।
- महाशिवरात्रि पर शाम को भोलेनाथ की पूजा अवश्य करें।

■ पं. नित्यानंद

• विवाह में बाधाएं...

शिव का पूजन

अगर किसी के विवाह में बाधाएं आ रही हैं, तो महाशिवरात्रि के दिन कुछ उपाय भी बताए गए हैं। मान्यता है कि इन उपायों को करने से विवाह में आ रही बाधाएं दूर हो जाती हैं। अगर विवाह में बाधाएं आ रही हैं, तो महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव का पूजन और रुद्राभिषेक करें। ऐसा करने से विवाह में आ रही बाधाएं दूर हो जाती हैं। विवाह में आ रही परेशानियों को दूर करने के लिए महाशिवरात्रि के दिन माता पार्वती को लाल चुनरी चढ़ाएं और उनकी पूजा करें। ऐसा करने से विवाह में आ रहीं सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। महाशिवरात्रि के दिन कन्याएं माता पार्वती को मेहंदी चढ़ाएं। फिर उसी मेहंदी को अपने हाथों लगाएं। ऐसा करने से विवाह में आ रहीं बाधाएं दूर हो जाती हैं। साथ ही मनचाहा वर मिलता है। इस दिन ऊं गौरी शंकराय नमः मंत्र का जाप करें। ऐसा करने से भी विवाह में आ रहीं बाधाएं दूर हो जाती हैं। इस दिन भगवान शिव के आगे देसी घी का दीपक जलाकर उनके 'ऊं शं शं शिवाय शं शं कुरु कुरु ऊं' मंत्र का जाप करें। इससे शादीशुदा जीवन का तनाव खत्म होता है

• जलाभिषेक...

भगवान शिव को शांति और शीतलता का देवता माना जाता है। जलाभिषेक शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा उन्हें शीतलता प्रदान करने के लिए की जाती है। जलाभिषेक उनके ताप को शीतल करने के लिए किया है। जल को पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। जल से अभिषेक करने से शिवलिंग पवित्र होता है और इसमें स्नान करने से भक्त भी पवित्रत होते हैं।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/संपादकः अनल पत्रवाल द्वारा गांव व डाकघर-रजियाणा, तहसील-नगरोटा बगवां, जिला-कांगड़ा-176056, हिमाचल प्रदेश से प्रकाशित एवं एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सेक्टर-6, नोएडा-201301, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित